

This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit. The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

https://www.namami.gov.in/

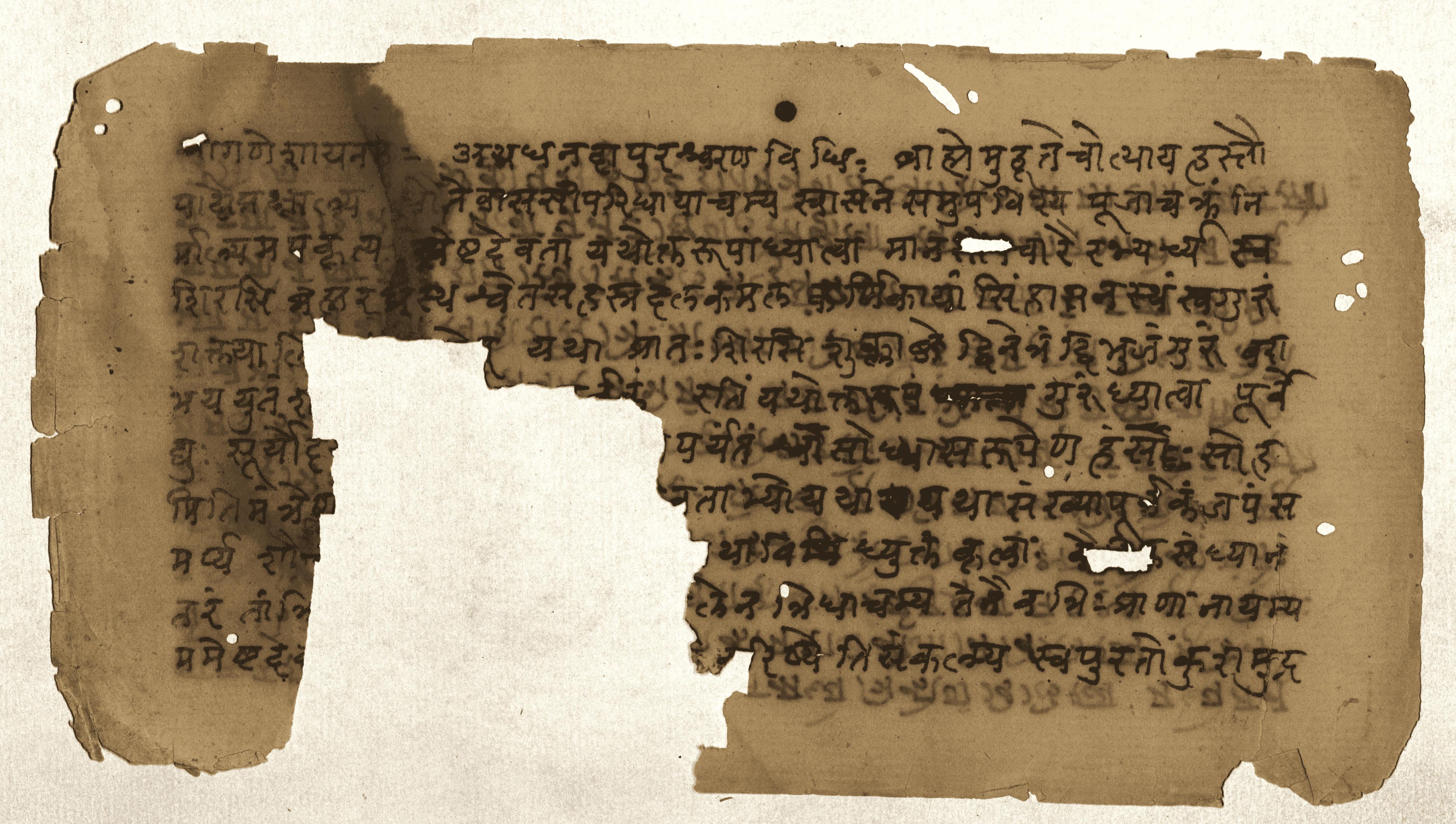
Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade Librarian

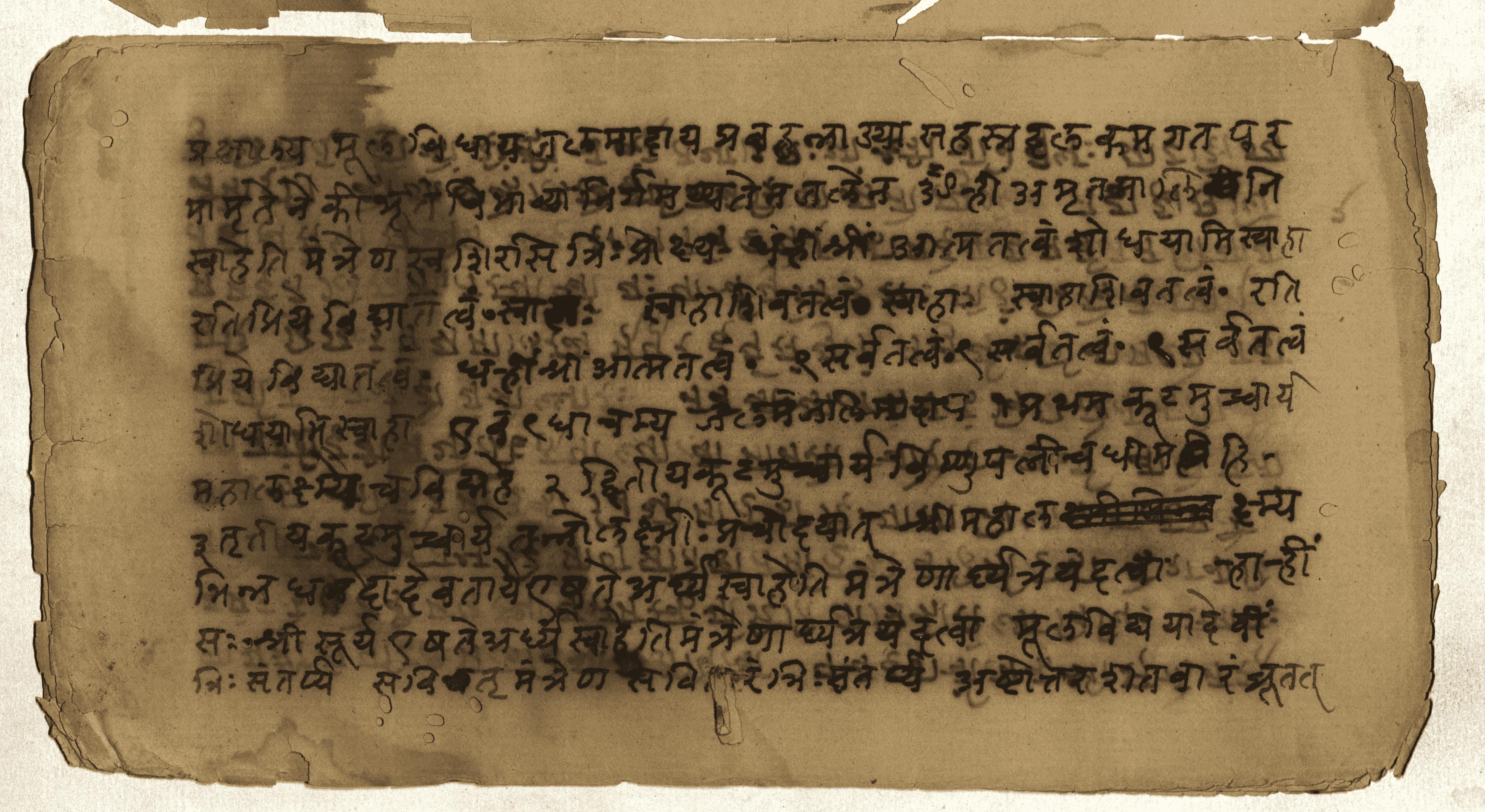
Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi https://egangotri.wordpress.com/

9/29013-195	शिर्षक	ग्रंथकार	विषय	विस्तार (पुर्ण/ अपूर्ण)	टिकाकार	आकार	पृष्ठे	लिपी	सामग्री	Lines per page	Letters per line	Condition & age (शके / विकम सवंत)	Additional Particulars / Remark
M-2564	Engletytelful		G. 260.					Mirror or	W) 1) 16		2.9		



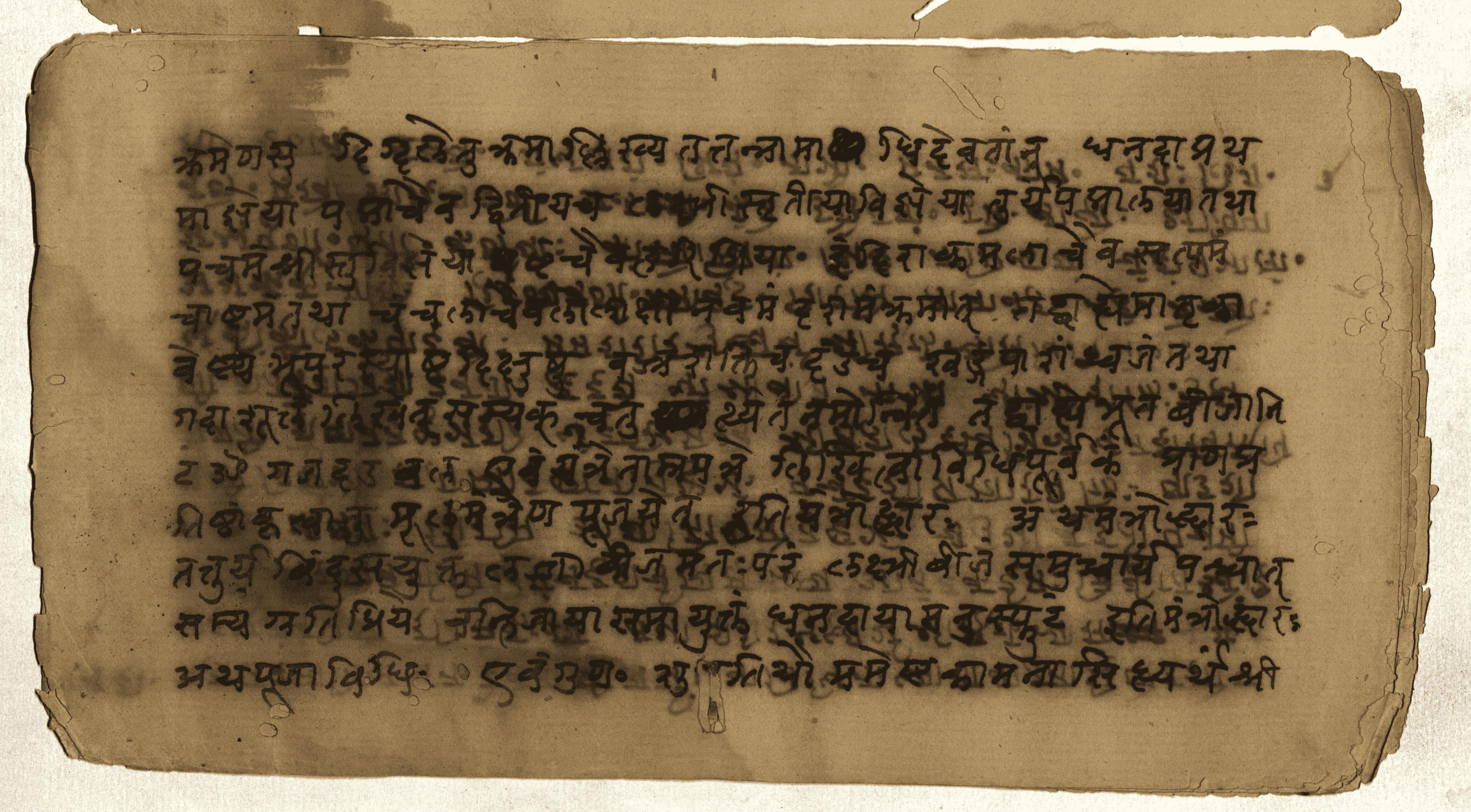
CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

Les to the first of the first the fi राः प्रस्य प्रकासियाः मानाः सार्थः स च्यारिकार सम्बाधारा दर सामारा 73.75 त्य नार भाषा में मासारमिंद भिन्न मिरा माणिना यो से भी रमिशिरियिनि आंश्यामिशिष्ठिय माम्यस्मिति । हात स्थित सक्त कर महाभाव के सार्थ सामा के का मार्थ किया ने महाया अपि माने महाया पुनहें शिणहासे काला स्वया काम आ में अब कह अक्षीयरा है पार शतिमनेण तस्याभिशिया मा स्याद्या हत्या CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection



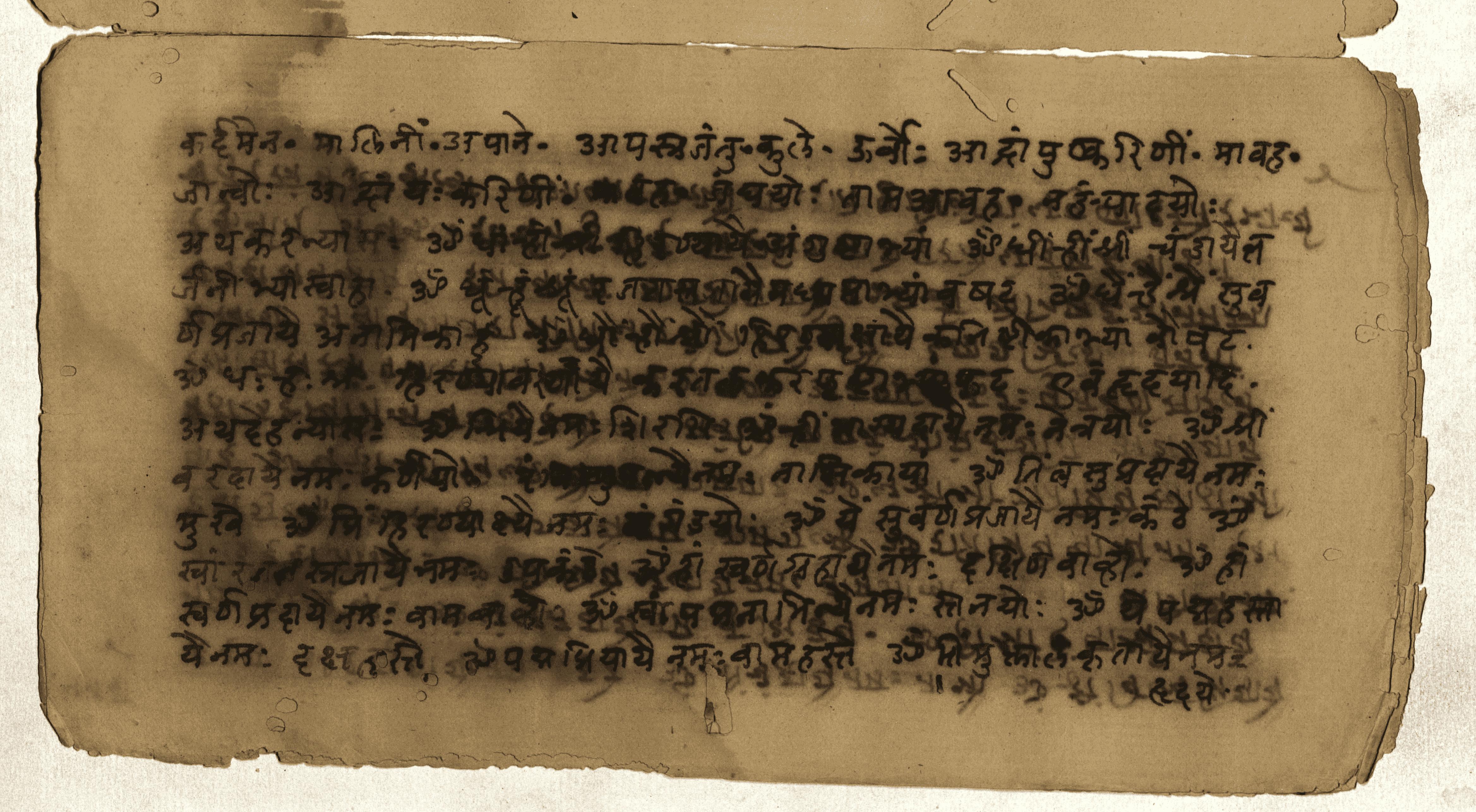
CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मा र का नहीं के व सा त का र का र का मा मा नमंगिर की या था रहि हैं पी ध्या सा मा मसे वं नारे पर ने वा लिए मा न्यति तमारीयम् स्थातः नम्भानामानामान परि विरहते । या माति तथा भूप र है परि यानी न स्थानिक पिका महस्ये नहीं ज महत्र है। से स्था महिया यह पार्थिय में में हैं से सो हैं कि सि सि मिन जनारित केला केले लेख केल काली काली समुर्थित हो हो हो हो हो हो है।



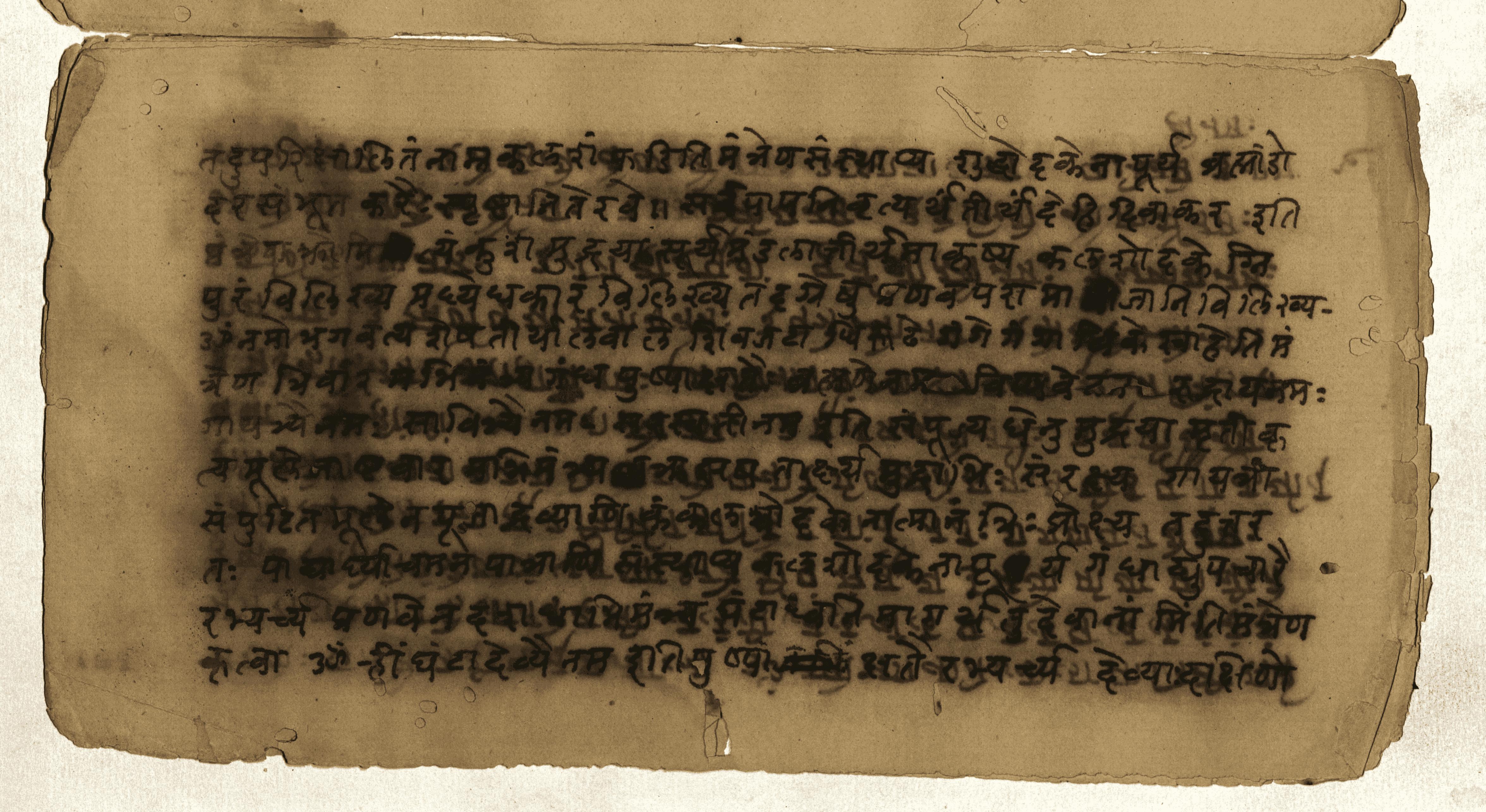
CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

महास स्माभिक बन्ध देवता बील यो आश्वाधिना ध्यानावाहना है बोडनो प मान्या अगसा आसा अस्य अस्य न्य उथा बहुता प्रमा जुकी अस्त्री सामानानानाना वास्ता विश्व के , प्रन्य हैं यो श्राह्मा र व निष्ठ का ग्रीका महाग्राका हेन्ताः हर हरा या का अध्यक्ति है से कि भारत है है है ये की कार्त के पार की र अप राशिर मुख्या में की स्ट्रामित के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान य या महत्व न्या सार्थ । त्रिम केव केवा केवा महत्व हैं। त्रिम त्रा का बहु के में महत्व हैं। में महत्व हैं। अभाष्याः मानि काम्बाः भाषाः भाषाः विश्वाः नासिकः नासिकः नासिकः भाग अस्तान के स्थान अभिवास । विस्था नामी प्रकस्त काम समान समान CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

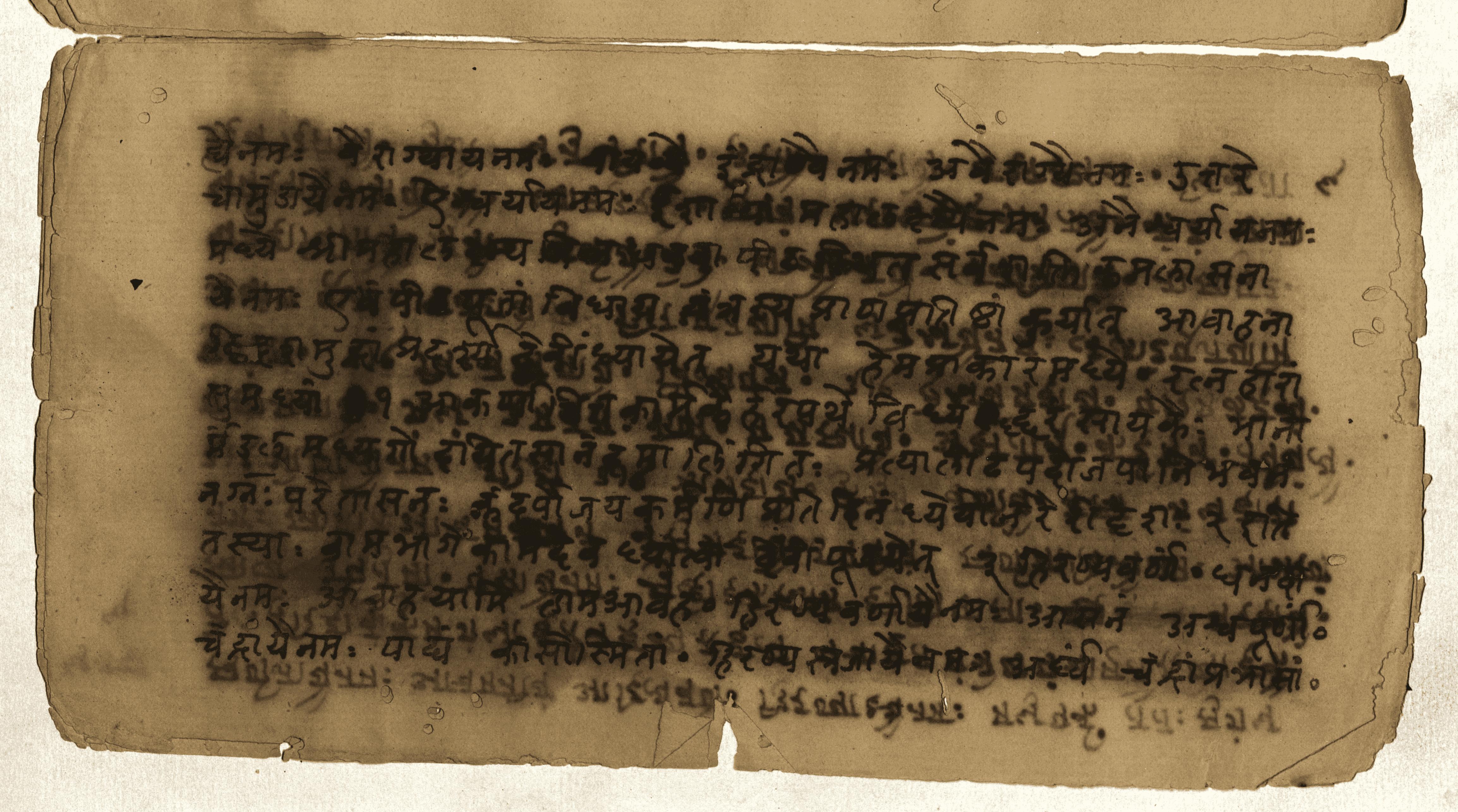


CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

द्वार मार्थिय अवस्थाता अपनास्य सामान्त्र सामान्त्र सामान्त्र सामान्त्र सामान्त्र सामान्त्र स्था । त्य अन्य भागाना स्थापना स्थापन व हो रह है स्थानित ना के साक्ष्म है को साह है आ साई है। या बार के की साह है से साह है साह है। व करण अने साम्यान मेरा भी निष्धार्थिति। स्रिते स्वित्व के स्वाय विक्र के स्वाय रमरी सरीकी मेरी देशिस्ता का समित्र आसे साथित के बार्की है के लिए हैं है सी नी स्था च तु र रत्र म अर्थ के रेवोर अधिका बाल शामा वासा होता प्राची वासा होता प्राची वासा होता है होते र भ्यान्य CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection



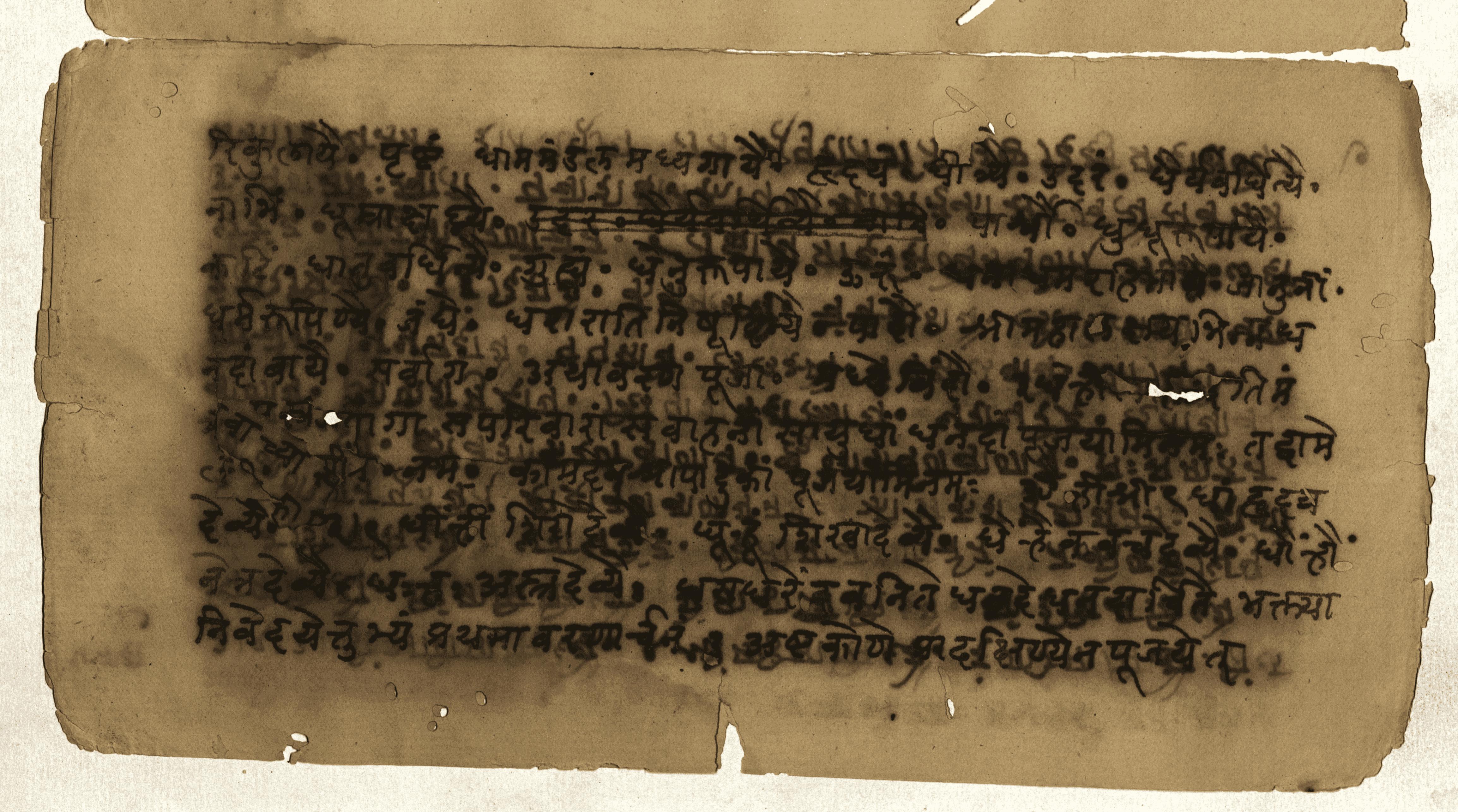
विशा मिनिविधी क्षेत्रकार का कार्य सामित यह मूख महामानिक से है मुन्ति में मिनिविधी है मिनिविधी है मिनिविधी है म हें के कि रोग के बार का का बाद के बाद के बाद के अपने के CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection



CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

स्वर्णकार्यमाः आन्वमनीयं आदित्यविष् दिश्वयाक्षेत्रमः मभुपकी ततः सुर्गभ ने ने निर्मान क्षेत्रमा मभुपकी ततः सुर्गभ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection



CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

[OrderDescription]
,CREATED=08.01.20 12:31
,TRANSFERRED=2020/01/08 at 12:35:17
,PAGES=14
,TYPE=STD
,NAME=S0002491
,Book Name=M-2564-DHANDARPURDHARAN VIDHI
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,FILE5=00000005.TIF

,FILE7=0000007.TIF

FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF
,FILE14=00000014.TIF